

सभी स्वास्थ्यकर्मियों हेतु हेपेटाइटिस बी का टीकाकरण

चर्चा में क्यों

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री श्री जे. पी. नड्डा के निर्देश पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने हेपेटाइटिस बी संक्रमण (Hepatitis-B infection) के शिकार होने की आशंका वाले सभी स्वास्थ्यकर्मियों को हेपेटाइटिस-बी का टीका (Hepatitis B vaccination) लगाने का निर्णय लिया है। ऐसे कर्मियों में डलिविरी कराने वाले, सुई लगाने वाले और खून एवं रक्त उत्पाद के प्रभाव में आने वाले स्वास्थ्यकर्मी शामिल हैं।

हेपेटाइटिस-बी (Hepatitis B)

- यह एक वायरल संक्रमण (viral infection) है, जो गुरदे पर हमला करता है और गंभीर रोग का कारण हो सकता है।
- संक्रमित व्यक्ति के खून, वीर्य तथा शरीर के तरल पदार्थ के असंक्रमित व्यक्ति के शरीर में प्रवेश करने से यह संक्रमण होता है।
- यह संक्रमण यौन संपर्क, सुई/सरिजि साझा करने, सुई से होने वाले जख्म या जन्म के समय माँ से बच्चे को हो सकता है।
- इस गंभीर हेपेटाइटिस-बी बीमारी के लिये कोई नशिचति इलाज नहीं है।
- हेपेटाइटिस-बी खतरनाक है, क्योंकि यह एक “शांत संक्रमण” है, जो लोगों को उनकी जानकारी के बिना ही संक्रमित करता है।
- अधिकतर लोग, जो हेपेटाइटिस-बी से संक्रमित होते हैं, वे इस संक्रमण से अज्ञान रहते हैं और अनजाने में वायरस को दूसरे लोगों में खून के द्वारा और शरीर के संक्रमित प्रवाही द्वारा फैलाते हैं।

प्रमुख बद्दि

- हेपेटाइटिस-बी संक्रमण स्वास्थ्यकर्मियों के पेशे से जुड़े जोखिम के रूप में माना जाता है। रोगियों और संक्रमणकारी सामग्री के संपर्क में रहने के कारण सामान्य लोगों की तुलना में स्वास्थ्यकर्मियों के लिये यह अधिक जोखिमभरा है।
- स्वास्थ्यकर्मी अक्सर संक्रमणकारी खून तथा शरीर से निकलने वाले तरल पदार्थ की संक्रमण क्षमता से अनभिज्ञ रहते हैं। हेपेटाइटिस-बी का टीका शुरू में दया जाने से स्वास्थ्यकर्मी सुरक्षित रहते हैं।
- यह प्रमुख वैश्विक स्वास्थ्य समस्या है और अतगंभीर प्रकार का वायरल हेपेटाइटिस है। एक अनुमान के अनुसार, हेपेटाइटिस-बी के परिणामस्वरूप लीवर सरिससि तथा लीवर कैंसर से प्रत्येक वर्ष 780,000 लोग मर जाते हैं।

ऑकड़ों के संदर्भ में

- भारत की आबादी में 2 से 8 प्रतिशत लोगों में हेपेटाइटिस-बी है। भारत के 50 मिलियन मामलों में यह बीमारी पाई जाती है।
- सामान्य जन की तुलना में स्वास्थ्यकर्मियों में 2 से 4 गुणा अधिक हेपेटाइटिस-बी संक्रमण की संभावना होती है। हेपेटाइटिस-बी की रोकथाम वर्तमान में सुरक्षित और प्रभावकारी टीकों से की जा सकती है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय का प्रयास

- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय हेपेटाइटिस-बी की रोकथाम के लिये अनेक कदम उठा रहा है। इसमें जन्म के समय दया जाने वाला हेपेटाइटिस-बी का टीका भी शामिल है।
- यह सार्वभौमिक टीका कार्यक्रम के अंतर्गत नियमति टीकाकरण के रूप में दया जाता है। टीका लगाने में डसिपोजेबल सरिजिों का उपयोग कया जाता है।
- भारत की रिपोर्ट से संकेत मलिता है कि केवल 16-60 प्रतिशत स्वास्थ्यकर्मियों का पूरी तरह एचबीवी (Hepatitis-B Virus - HBV) टीकाकरण हुआ है। चकितिसा सहायकों में एचबीवी संक्रमण का जोखिम अधिक होता है।
- चकितिसा सहायक, डॉक्टरों की तुलना में टीकाकरण कम कराते हैं। हेपेटाइटिस-बी का टीका 90-95 प्रतिशत सुरक्षा करने में कारगर है।

